ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

10-04-2024

बाप को प्रत्यक्ष करने के लिए विशेष दो बातें ध्यान में रखनी हैं - एक सदा संस्कारों को मिलाने की यूनिटी। इसके लिए हरेक अपने को चेन्ज करे, समाने की शक्ति धारण करे तो दूसरे का संस्कार भी शीतल हो जायेगा। दूसरा - सन्तुष्ट रहना है और सबको सन्तुष्ट करना है। जब यह दोनों बातें सदा ध्यान पर रहें तब बाप जो है जैसा है, वैसा दिखाई दे और प्रत्यक्षता हो।

Perform the dance of harmonising sanskars.

In order to reveal the Father, especially pay attention to two things: 1) Always have unity in harmonising sanskars. 2) Let each one change the self, inculcate the power to accommodate and then the sanskars of others will become cool and gentle.